

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान ( बिना डाक टिकट ) के प्रेषण हेतु अनुमति क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक  
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

# छत्तीसगढ़ राजपत्र

## (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 836]

रायपुर, गुरुवार, दिनांक 12 दिसम्बर 2019 — अग्रहायण 21, शक 1941

विधि एवं विधायी कार्य विभाग  
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 12 दिसम्बर 2019

क्रमांक 12791 / डी. 226 / 21-अ / प्रारू. / छ.ग. / 19.- छत्तीसगढ़ विधान सभा का निम्नलिखित अधिनियम जिस पर दिनांक 10-12-2019 को राज्यपाल की अनुमति प्राप्त हो चुकी है, एतद्वारा सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
मनीष कुमार ठाकुर, अतिरिक्त सचिव.

**छत्तीसगढ़ अधिनियम**  
**(क्रमांक 18 सन् 2019)**  
**छत्तीसगढ़ नगरपालिका (संशोधन) अधिनियम, 2019**

छत्तीसगढ़ नगरपालिका अधिनियम, 1961 (क्र. 37 सन् 1961) को और संशोधित करने हेतु अधिनियम।

भारत गणराज्य के सत्तरहवें वर्ष में छत्तीसगढ़ विधानमंडल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो:-

1. (1) यह अधिनियम छत्तीसगढ़ नगरपालिका (संशोधन) अधिनियम, 2019 कहलाएगा। संक्षिप्त नाम, विस्तार तथा प्रारंभ.
- (2) इसका विस्तार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा।
- (3) यह ऐसी तारीख से प्रवृत्त होगी जिसे राज्य शासन, अधिसूचना द्वारा, नियत करे।
2. छत्तीसगढ़ नगरपालिका अधिनियम, 1961 (क्र. 37 सन् 1961), (जो इसमें इसके पश्चात् मूल अधिनियम के रूप में निर्दिष्ट है), में, धारा 19 में,— धारा 19 का संशोधन.

(एक) उप-धारा (1) में, खण्ड (क) के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात्—

“(क) अध्यक्ष, जो नगरपालिक क्षेत्र के किसी भी वार्ड से पार्षद निर्वाचित हुआ हो, और तत्पश्चात्, यथास्थिति, नगरपालिका परिषद् या नगर पंचायत के निर्वाचित पार्षदों द्वारा अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुआ हो;”

(दो) उप-धारा (4) के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात्—

“(4) यदि किसी नगरपालिक क्षेत्र का कोई

वार्ड, पार्षद का निर्वाचन करने में असफल रहता है तो ऐसे वार्ड के स्थान को भरने के लिए छः माह के भीतर नई निर्वाचन कार्यवाहियां प्रारंभ की जायेगी और जब तक उस स्थान को भरा नहीं जाता, उसे आकस्मिक रिकित समझा जाएगा:

परंतु अधिनियम के अधीन अध्यक्ष या उपाध्यक्ष या किन्हीं समितियों के निर्वाचन की कार्यवाहियां, ऐसे स्थान का निर्वाचन लंबित रहते, स्थगित नहीं की जायेगी।"

3. मूल अधिनियम में, धारा 20 में, उप—धारा (2) में, खण्ड (ख) में, उप—खण्ड (तीन) के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात्:—

धारा 20 का संशोधन.

"(तीन) अध्यक्ष के निर्वाचन की दशा में, किसी पार्षद द्वारा;"

4. मूल अधिनियम में, धारा 29—ख में, उप—धारा (4) के पश्चात्, निम्नलिखित जोड़ा जाये, अर्थात्:—

धारा 29—ख का संशोधन.

"(4—क) ऐसी नगरपालिका तथा नगर पंचायत में जहां, इस धारा के अनुसार, अध्यक्ष का पद, किसी विशेष प्रवर्ग के उम्मीदवार के लिये आरक्षित किया गया हो, वहां ऐसा कोई भी निर्वाचित पार्षद, जो अध्यक्ष पद हेतु आरक्षित प्रवर्ग का हो, अध्यक्ष के पद हेतु प्रत्याशी बन सकेगा, चाहे वह वार्ड, जहां से

वह निर्वाचित हुआ हो, उस प्रवर्ग के लिए आरक्षित हो या नहीं।”

5. मूल अधिनियम में, धारा 30 में, खण्ड (सी) के पश्चात्, निम्नलिखित जोड़ा जाये, अर्थात्:-

धारा 30 का संशोधन.

“(डी) किसी पंचायत या किसी नगरपालिका के नगरपालिक क्षेत्र से संबंधित किसी निर्वाचक नामावली में रजिस्ट्रीकृत नहीं है;

स्पष्टीकरण 1: इस धारा के प्रयोजन हेतु “पंचायत” का वही अर्थ होगा जैसा कि छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 (क्र. 1 सन् 1994) की धारा 2 के खण्ड (सत्रह) में उसके लिए समनुदेशित है;

स्पष्टीकरण 2: इस धारा के प्रयोजन हेतु “नगरपालिक क्षेत्र” का वही अर्थ होगा जैसा कि छत्तीसगढ़ नगरपालिक निगम अधिनियम, 1956 (क्र. 23 सन् 1956) की धारा 5 के खण्ड (34-क) में उसके लिए समनुदेशित है।”

6. मूल अधिनियम में, धारा 32 में,-

धारा 32 का संशोधन.

(एक) उप-धारा (1) में, शब्द “अध्यक्षों तथा” जहां कही भी आया हो, का लोप किया जाये;

(दो) उप-धारा (2) में, शब्द “अध्यक्षों तथा” का लोप किया जाये।

7. मूल अधिनियम में, धारा 32-क में, उप-धारा (1) में, शब्द “अध्यक्ष” जहां कहीं भी आया हो, के स्थान पर, शब्द “पार्षद” प्रतिस्थापित किया जाये।

धारा 32-क का संशोधन.

8. मूल अधिनियम में, धारा 32-ख में, शब्द “अध्यक्ष” के स्थान पर, शब्द “पार्षद” प्रतिस्थापित किया जाये। धारा 32-ख का संशोधन।

9. मूल अधिनियम में, धारा 32-ग में, शब्द “अध्यक्ष या” का लोप किया जाये। धारा 32-ग का संशोधन।

10. मूल अधिनियम में, धारा 33 में,—  
 (एक) शब्द “या अध्यक्ष” का लोप किया जाये;  
 (दो) परंतुक के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात,—  
 “परंतु यह कि कोई भी व्यक्ति पार्षद के किसी भी निर्वाचन में एक से अधिक बार मतदान नहीं करेगा।”

11. मूल अधिनियम में, धारा 34 में,—  
 (एक) उप-धारा (1) में, खण्ड (क) का लोप किया जाये;  
 (दो) उप-धारा (4) का लोप किया जाये। धारा 34 का संशोधन।

12. मूल अधिनियम में, धारा 35 में,—  
 (एक) शब्द “अध्यक्ष के रूप में निर्वाचन या” का लोप किया जाये;  
 (दो) खण्ड (घघ) में, शब्द “अध्यक्ष की दशा में आयु पच्चीस वर्ष से कम हो तथा” का लोप किया जाये। धारा 35 का संशोधन।

13. मूल अधिनियम में, धारा 43 में—  
 (एक) शीर्षक में, शब्द “उपाध्यक्ष” के पूर्व, शब्द “अध्यक्ष तथा” अंतःस्थापित किया जाये;  
 (दो) उप-धारा (1) के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात्—

“(1) राज्य निर्वाचन आयोग, नगरपालिका परिषद् एवं नगर पंचायत के प्रत्येक निर्वाचन के तुरंत पश्चात् अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष का निर्वाचन, ऐसी रीति में, जैसा कि विहित किया जाये, करवायेगा। परिषद् के निर्वाचित सदस्य, धारा 55 में यथा विनिर्दिष्ट अपने प्रथम सम्मिलन में निर्वाचित सदस्यों में से, विहित रीति में, एक अध्यक्ष तथा एक उपाध्यक्ष का निर्वाचन करेगे।”

(तीन) उप-धारा (3) में, शब्द “उपाध्यक्ष” के पूर्व, शब्द “अध्यक्ष तथा” अंतस्थापित किया जाये।

14. मूल अधिनियम में, धारा 43-क में,—

(एक) शीर्षक में, शब्द “उपाध्यक्ष” के पूर्व, शब्द “अध्यक्ष या” अंतस्थापित किया जाये;  
(दो) उप-धारा (1) में, शब्द “उपाध्यक्ष” जहां कहीं भी आया हो के पूर्व, शब्द “अध्यक्ष या” अंतस्थापित किया जाये;

(तीन) उप-धारा (2) में, खण्ड (दो) में, शब्द “अध्यक्ष” के स्थान पर, शब्द “अध्यक्ष, उपाध्यक्ष” प्रतिस्थापित किया जाये।

15. मूल अधिनियम में, धारा 47 का लोप किया जाये।

धारा 43-क का संशोधन.

धारा 47 का संशोधन.

16. मूल अधिनियम में, धारा 55 के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात्—

धारा 55 का संशोधन.

“55. साधारण निर्वाचन के पश्चात् प्रथम सम्मिलन—

(1) राज्य निर्वाचन आयोग, धारा 45 के अधीन

निर्वाचन की अधिसूचना की तारीख से 15 दिन के भीतर, अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष के निर्वाचन के प्रयोजन के लिए निर्वाचित पार्षदों का सम्मिलन हुलाएगा।

(2) उप-धारा (1) के अधीन सम्मिलन, ऐसी रौति में हुलाया जायेगा, जैसा कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अवधारित किया जाये, जिसकी अध्यक्षता राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा की जायेगी। अध्यक्षता करने वाले अधिकारी को मत देने का अधिकार नहीं होगा और मत बराबर होने की दशा में, परिणाम लाट द्वारा विनिश्चित किया जाएगा।"

17. मूल अधिनियम में, धारा 56 में, अंक "47" का लोप किया जाये। धारा 56 का संशोधन.

18. मूल अधिनियम में, धारा 62 में, उप-धारा (3) में, खण्ड (तीन) के परंतुक में, शब्द तथा अंक "या 47" का लोप किया जाये। धारा 62 का संशोधन.

19. मूल अधिनियम में, धारा 63 में, परंतुक में, शब्द "उपाध्यक्ष या" का लोप किया जाये। धारा 63 का संशोधन.

20. मूल अधिनियम में, धारा 328 में, उप-धारा (1) में, खण्ड (ख) में, शब्द "उपाध्यक्ष" जहाँ कहीं भी आये हो के पूर्व, शब्द "अध्यक्ष तथा" अतःस्थापित किया जाये। धारा 328 का संशोधन.

21. छत्तीसगढ़ नगरपालिका (संशोधन) अध्यादेश, 2019 (क्र. 3 सन् 2019) एतद्वारा निरसित किया जाता है। निरसन.

अटल नगर, दिनांक 12 दिसम्बर 2019

क्रमांक 12791 / डी. 226 / 21-अ / प्रारू. / छ.ग. / 19.- भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में इस विभाग की अधिनियम दिनांक 12-12-2019 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
मनीष कुमार ठाकुर, अतिरिक्त सचिव.

## CHHATTISGARH ACT

(No. 18 of 2019)

## THE CHHATTISGARH MUNICIPALITIES (AMENDMENT) ACT, 2019

An Act to further amend the Chhattisgarh Municipalities Act, 1961 (No.37 of 1961).

Be it enacted by the Chhattisgarh Legislature in the Seventieth Year of the Republic of India, as follows:-

**1.** (1) This Act may be called the Chhattisgarh Municipalities (Amendment) Act, 2019. **Short title,  
extent and  
commencement.**

(2) It shall extend to the whole State of Chhattisgarh.

(3) It shall come into force on such date as the State Government may, by notification, appoint.

**2.** In the Chhattisgarh Municipalities Act, 1961 (No. 37 of 1961), (hereinafter referred to as the Principal Act), in Section 19,- **Amendment of  
Section 19.**

(i) in sub-section (1), for clause (a), the following shall be substituted, namely:-

"(a) a President, who should be an elected Councilor from some ward in the Municipal

area, and is elected thereafter as President by the elected Councilors of the Municipal Council or Nagar Panchayat, as the case may be;"

(ii) for sub-section (4), the following shall be substituted, namely:-

"(4) If any ward of any municipal area fails to elect a Councilor, fresh election proceedings shall be commenced for such ward within six months to fill the seat and until the seat is filled, it shall be treated as casual vacancy:

Provided that proceedings of election of President or Vice-President, or any of the Committees under the Act shall not be stayed, pending the election to such seat."

3. In the Principal Act, in Section 20, in sub-section (2), in clause (b), for sub-clause (iii), the following shall be substituted, namely:-

"(iii) in the case of election of President by any Councilor;"

**Amendment of Section 20.**

4. In the Principal Act, in Section 29-B, after sub-section (4), the following shall be added, namely:-

“(4-a) In the case of Municipal Councils and Nagar Panchayats where, in terms of this Section, the office of the President is reserved for candidate from a specific category, any elected councilor belonging to such category for which the office of the President is reserved, may become a candidate for the office of President, irrespective of whether the ward he was elected from was reserved for such category or not.”

5. In the Principal Act, in Section 30, after clause (c), the shall be added, namely:-

“(d) is not registered in any electoral roll related to a Panchayat or municipal area of a municipality:

**Explanation-1:** For the purpose of this Section 'Panchayat' shall have the same meaning as assigned to it in clause (xvii) of Section 2 of the Chhattisgarh Panchayat Raj Adhiniyam, 1993 (No. 1 of 1994):

**Amendment of  
Section 29-B.**

**Amendment of  
Section 30.**

**Explanation-2:** For the purpose of this Section “municipal area” shall have the same meaning as assigned to it in clause (34-a) of Section 5 of the Chhattisgarh Municipal Corporation Act, 1956 (No. 23 of 1956)."

**6.** In the Principal Act, in Section 32,-

- (i) in sub-section (1), the words "Presidents and" wherever they occur, shall be omitted.
- (ii) In sub-section (2), the words "Presidents and" shall be omitted.

**7.** In the Principal Act, in Section 32-A, in sub-section (1), for the word "President" wherever it occurs, the word "Councilor". shall be substituted.

**8.** In the Principal Act, in Section 32-B, for the word "President", the word "Councilor" shall be substituted.

**9.** In the Principal Act, in Section 32-C, the words "President or" shall be omitted.

**10.** In the Principal Act, in Section 33,-

- (i) the words "or President" shall be omitted;
- (ii) for proviso, the following shall be substituted, namely:-  
"Provided that no person shall vote more than once in any election of the Councilor."

**Amendment of Section 32.**

**Amendment of Section 32-A.**

**Amendment of Section 32-B.**

**Amendment of Section 32-C.**

**Amendment of Section 33.**

**11.** In the Principal Act, in Section 34,—

- (i) in sub-section (1), clause (a) shall be omitted;
- (ii) sub-section (4) shall be omitted.

**12.** In the Principal Act, in Section 35,—

- (i) the words “election nomination as a President or” shall be omitted;
- (ii) In clause (dd), the words “is less than twenty-five years of age, in the case of a President and” shall be omitted.

**13.** In the Principal Act, in Section 43,—

- (i) in the heading, before the words “Vice President”, the words “the President and” shall be inserted.
- (ii) for sub-section (1), the following shall be substituted, namely:-

"(1) The State Election Commission shall cause the election of President and Vice-President immediately after every election of Municipal Council and Nagar Parishad in such manner as may be prescribed. The elected members of the Council shall elect a President and a Vice-President in the prescribed manner, from elected

**Amendment of Section 34.**

**Amendment of Section 35.**

**Amendment of Section 43.**

members in its first meeting as specified in Section 55.”

(iii) In sub-section (3), before the words “Vice President”, the words “the President and” shall be inserted.

**14.** In the Principal Act, in Section 43-A,—

- (i) in the heading, before the words “Vice President”, the words “the President or” shall be inserted.
- (ii) in sub-section (1), before the words “Vice President”, wherever they occur, the words “the President or” shall be inserted.
- (iii) in sub-section (2), in clause (ii), for the word “President”, the words “President, Vice-President” shall be substituted.

**15.** In the Principal Act, Section 47 shall be omitted.

**16.** In the Principal Act, for Section 55, the following shall be substituted, namely:-

**“55. First Meeting after General Election.—(1)** The State Election Commission shall, within 15 days from the date of the notification of election under Section 45, call a meeting of the elected Councilors for the

**Amendment of Section 43-A.**

**Amendment of Section 47.**

**Amendment of Section 55.**

purpose of electing a President and Vice-President.

(2) Meeting under sub-section (1) shall be called in such manner as may be determined by the State Election Commission, which shall be presided over by the officer authorized by the State Election Commission. The presiding officer shall not have the right to vote and in case of equality of votes, the result shall be decided by lot."

**17.** In the Principal Act, in Section 56, the figure "47" shall be omitted. **Amendment of Section 56.**

**18.** In the Principal Act, in Section 62, in sub-section (3), in the proviso to clause (iii), the word and figure "or 47" shall be omitted. **Amendment of Section 62.**

**19.** In the Principal Act, in Section 63, in the proviso, the words "Vice President, or the", shall be omitted. **Amendment of Section 63**

**20.** In the Principal Act, in Section 328, in sub-section (1), in clause (b), before the word "Vice-President" wherever they occur, the words "President and" shall be inserted. **Amendment of Section 328.**

**21.** The Chhattisgarh Municipalities (Amendment) Ordinance, 2019 (No. 3 of 2019) is hereby repealed. **Repeal.**